

उत्तर मध्य रेलवे हुआ शत-प्रतशित वदियुतीकरण वाला देश का पाँचवा ज़ोन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) शत-प्रतशित वदियुतीकरण वाला देश का पाँचवा ज़ोन बन गया है। यहाँ के सभी ब्रॉड गेज रेलमार्ग का अब पूरणरूप से वदियुतीकरण हो गया है।

प्रमुख बदि

- वर्तमान में देश के 18 ज़ोनल रेलवे में अभी चार ज़ोन पूर्व तटीय रेलवे भुवनेश्वर, पूर्व रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे तथा दक्षिण-पूर्व रेलवे ही ऐसे ज़ोन थे, जो पूरणरूप से वदियुतीकृत थे। अब इसमें उत्तर मध्य रेलवे भी शामिल हो गया है।
- इस रेलखंड में खजुराहो से ललतिपुर के बीच ईशानगर-उदयपुर के बीच 76 कमी. वदियुतीकरण का कार्य बीते वत्तीय वर्ष में रह गया था, जसि केंद्रीय रेल वदियुतीकरण संगठन (कोर) द्वारा 20 अक्टूबर को पूरा कर लया गया है। अब यह रूट इलेक्ट्रिक इंजन लगी ट्रेनों के संचालन के लयि तैयार हो गया है।
- अब इस रेलखंड का वदियुतीकरण होने के साथ ही एनसीआर के ब्रॉड गेज वाले सभी रेलमार्ग का वदियुतीकरण हो गया है। इसका लाभ यह होगा कि अब महोबा-खजुराहो-उदयपुरा होते हुए ललतिपुर तक इलेक्ट्रिक इंजन लगी ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। साथ ही, महोबा से छतरपुर होते हुए ललतिपुर तक मेमू ट्रेनें चल सकेंगी।
- ईशानगर-उदयपुरा रेलखंड के वदियुतीकरण के साथ ही उत्तर मध्य रेलवे ज़ोन में 3222 रूट कमी. ब्रॉड गेज का वदियुतीकरण हो गया है। इस नए रूट पर 110 कमी. प्रतघिंटे की रफ्तार से ट्रेनें चल सकेंगी, यानी परयागराज से महोबा होते हुए ललतिपुर तक 110 कमी/घंटा की रफ्तार से ट्रेन चल सकेंगी। इससे यात्रयियों के समय की भी बचत होगी।
- गौरतलब है कि उत्तर मध्य रेलवे अपने वर्तमान स्वरूप में 1 अप्रैल, 2003 को अस्तित्व में आया था। उत्तर मध्य रेलवे भारत के वसितृत क्षेत्रों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान व हरयाणा में फैला हुआ है। इसका मुख्यालय परयागराज (इलाहाबाद) में है और इसमें तीन मंडल- परयागराज, झाँसी एवं आगरा शामिल हैं।